

अभिताप हाम क्षी है। विशेष

চরিভক্তি বি**ল**ালান্তর্গত সরিবাধর দীপিকাঁ॥

T. 22 !!

ं कर न न्यू माहर सहन ब अकाम मीता । हे भाराम क्यरन्य विधि निर्मेश्व सारु

क्षण्य समान भाइक उमोगार्थ वश्रासुक्र कृष्य वाश्रासम्बन मारमह हात्रा व.गावानि कृत्म विवृष्टिक रहेका

हेमानी५



(क्याहार्ड के विठा त्रज्ञाकत ग्रामास मुखा कि व वर्षेत्र अहे मुखक बाइ।त श्रामान क्रेट्टक उत्त प्रधानस्य उद्य कॉन्सन भावस्य है। जनकारक व्यक्तिक मान

व्यक्तिता स्वापन बनामनीय निर्मेष्ट्र देश क्रिकड़ी छन भक्षामभी डेशवास विद्याद मिन् अथ भून लक्टबन विकासका करे वर्ग वाश्मीत मन्त्र समसीह शकतनर क्ष्मोरमी पिने क्रुख बिस्बी पिन इंडा नाबुद्धात्र मित्रम त्यादिन पार्वनी शीबुक बामभीत्र विवि क्षा बुक्त वाक्ष्मीरिक केंग्रेशन किन्तु थवा वाग निवस कि मार्गा वर्

अञ्चलकिर्यगाठआध्य नग्र**ः**

बांध्रेश भग्निः मृश्वि ककनः यर्लीमुकामार बमर कार्य-ग्राम् क निवरित्रं नार्श 5 छः मर (श्रम क्रिमार्डम के किर्देश कार्याम् के विक्रियो निकल्य मन्त्रायं निः एक्रियोमहक् वे देवेद छ दिक्ति छ है। देव क्रिया क्रिका करका क्रियो है।

विद्या क्षित्र का निवास विद्या क्षित्र विद्या क्षित्र क्षत्र क्षत्

चरः महिन्द्रशासमाः कामाक्षम मनाक्षेत्रः। उत्तुक्षमित्रः द्यमः

नार के कि का निर्माण का का का निर्माण का निर्मण का निर्माण का निर्मण का नि

করিয়া ইকল বৈছে বুদ্ধি গতি ৷ এছরি এ করি ইবে শুন ভক্ত 🕬 শিয়ার প্রবন্দ করি করিব রচন।। দোগ ওণ্টা থ কিছু নালবে আসার श्याय वह धन बाहि कतित विशह। आर्थि मूर्थ मृत्राधम अनाय विकालका अवात्रक कतिवारत रेश्टिक गुमका । होन विविधि रेक्ट्र कर्र्स्क वामन । शक् देवका व । विवाद विकि करत अने ।। रेजरह्म अनुमारक स्था । इंदेन माहन । मुख्य व्यक्ति प्रकारिक मिल्ल माहन অক্সেডে জাননাহি নাহিক সংক্ষার তথাচ প্রবাদ ই ব --- ; 'लोमोद्र ॥ नर्क रेवकरवंत्र अन् लाका किन्त स्मारत । कर्मा क्री न्त्रिम कांबा कदिवादर ॥ बामि बंक बारु प्रम कि छूडे नाम है। ने दम बिखाय व कर्त्र महे करिवानी । महे का मारटः करि । म कर् कुन्। किंद्र तम निष्कां कारण करिया परता । कर ने कारण है। कि पर्का म**्दितः इतिनामद्र मीशिका वर्ति अ**ञ्चलको देवला :। १० ।। करि **कित राष्ट्रियर अक्टमन। एटर (न गर्दन कर ८२) इ. भविद्या । यह** क्षम भाषाबी व कि विश्वा करना के द्वरांगव की शिका करह अक्ष লেশতৰ ম ইতি ছাঁৱবালর দীপিকালাং ঞীছরিভ জি বিলাশ।নুলারি लाः इकामकी श्रक्तान खर्गाम रक्तम नाम श्रम्भ मर्गहा ज्ञान र्शिक होत्र १ विद्वाद कब्रुवश्चावकीरवी करनी समर्शतिकु मुमहरू। भागहमा यह कि विष: । इतिः शुरु हे मून्तत मूर्गेष्ठिक प्रमाननी निष: । इत्य क्**नाद क्रू**ड्वः नहीं नन्त्। श्रीहर्तन। श्रेष्ट्र व्य

য়া বীর্যাতঃ । সংগ্রাত্যা করবাত্যা সক্ত লিখাত স্থি পন্ই । জ্ঞাক চৈতনা নিভাগিন । জয়া হৈছিচত লয় গৌর ভক্ত জ্ঞানপ সনাতন ভক্তিম্নাথ। জিনীব গোপালভট্ট দাস া এই ছয় গোলাকির ক্ষাচরণ বন্দন। যাহা হৈতে বিখনাপালভাই পূরণ। এই এই সমাতন পোশা নুষ্ঠিয়ন। স্থা লা লালরে দৃচ করিয়ে ভিত্তশা একাদশা পুকরণ কৈলা বিভাগ । পায়ার প্রবাহা ভাবা করিব যোটনা। এই কিলা লাভাই বি ভাক্তি বিলাল। বিজ্ঞ শন্ভব বাতে লাভার বৈর ক্রিভাশা। ব্রিবারে লাল করে শালা। শত্রুব প্রকাশ করি নার্ম লোক বিবারিব ইরিভান্ত বিলালের মতে। পাল্ড বি ভারি হেল শ্বিহ্বে বাতে। প্রথমত একাদশীর নিতান্ত বর্ণনে

তথাহি এইরিভক্তি বিলাদে এযুত গোসার্থ। কা। এইক প্রাণ নম্বা দিধি প্রাপ্ত ত

ভোজনগানিখেবাচন করণে প্রভাবারতঃ। ইতি রাজ গ্রিক্তার প্রতি আর বিধি প্রাপ্ত ভার । ভোজন নিষেধ অব্যান প্রভাবার ।। এই চারি হেন্ত কারিকাতে দেখাইলা । পুরান লে শেষে নিশেষে কহিলা।। প্রথম হেন্ততে ভগবানের ভোষণ। ভাহাতে লিখিয়ে শুন প্রান বচন।।

তথাহি বৃহনার দীয়োক্তং হরিভক্তি বিশাসেঃ ৷ কর্মদানী ব্রত্থনাম সর্বকাম কলাপ্রসং ৷ কর্মনাথ কর্মখা বিশিশ বিজু প্রীন্মকারণং ইতি ৷

करात्मी वर्ज नर्स स्थायक रहा क्या कर्का गायक के बीच महा। श्राप्त रहता को करिया कर्चन (पिछी क्रा विकि शास्त्रक सन दिनहरू।

क्थारि उरमानक्षेत्र है। क्या विवास विकास । पूर्णिया । मक्ताहिएकि क्या के क्या के व्या क्या है। से किल्लिका क्या वाक्ष्म । विश्व देव देवि ।

वित्र । जिल्ला । अपे कान्य वित्र वेष्ण विक्र कहि कछ महि क्षित्र । विद्या अपे कि कि कि विक्र विक्र कि कि विक्र विक

महामान्य के विकास शाहनात्र शरका व्रोक्टि श्वावानि बाह्य के कि विकास के कि किया के स्वाक्टिश के स्वाह्य के

क सह श्रमा

লাকর কোৰ লাহত প্রাণে ধোৰণ। একাদলী দিনে কভু আন কহি, বাং ভৃতীর হেন্তর এই করিল বন্দ্রন। চক্ত হৈত্র প্রাণ নিবরণ। একাদলী স্করণে হয় প্রত্যবায়। তাহার ভথাছিশি পুরাণে যে ভারণ

ৰাজ্য । বাৰিকাভিত হরিভাজি বিলাগে। যানিকানি চ পাপানি কেন্টাৰিকানি চ অৱস্থাক্তিয় তিওঁন্তি সংপাণ্ডেহরি বাসরে। বিলাগিনা বাংগ্রাভি ভূজানো হরিবাসতে ইভি।

संसर्का किन भाग त्याह त्याहे हम । अकामभी कित कत्त ज्या त्य कामग्री। अकामभी किता त्यहें कत्ता त्यालन । त्यहें भव भाग होते की हम थक्षा।

क्षारि विकृ धरमाध्या रतिककिः विकारमः। जक्षाति पुरुषा स्र तीनशुक्ताः कथा प्रक्रियः क्षितिकारि कुलान क्षारक्षाः स्र विकासिकार्यः स्वर्थाः

न्त्रवाही श्रद वा विष्यामण्ड श्राकामणी विष्या देशावान इस्ताहरू ॥ (कावन कहियो करत द्वाक स्थापक का पेश्टाक का व इस्ट इस्ताहरू का कावन ॥ क्षत्री करी का कि दास का कि स्थापक

TO STANK

भाव कि श्रिकाही कि निमाल । शृह्द दे कि हो है शाहित विश्व के स्था है कि स्था है है कि स्था है है कि स्था है है है कि स्था है है है कि स्था है है है है है है ह

ত্থান পাদ্যে তর খণ্ডোক্ত হরিভন্তি বিকালে। বলালা সান্তানার কাণাঞ্চ বরকণিনির একাছতাপবাসন্ত বর্তানা নাল্যং লাহঃ।। বলি বা আশ্রেমানারী মেবা কোনে নয়। একাদশী দ্বী পাবাস করি ব্যতা হয়। ইহাতে সংসায় নাহি জানিক নিশ্চা। এই নাল্য স্থানঃ প্রান্ধ করা লাভ্যে কয়। অনুকল্প বিধি ইবে কার্যে লিখন। বাহা শুনিঃ করা লাভ্যে কয়। অনুকল্প বিধি ইবে কার্যে লিখন। বাহা

তথাচ কাত্যায়ন মৃত্যুক্ত হরিভক্তি বিশাসে। অইনবাসি
কোসভাঃ অপ্রাশাতি বং সরঃ। এক দেশ্যা মৃথবিদ্ধুত প্রক্রো বাভয়োরপি। তথাচ নার নিয়েতে । অভ্নিষ্ঠ বিকো সভাঃ অশীতি নহিপ্যাতে।যোত্ত ভাষাক্রর তে বিকোরহান পাপ্রতান্যান বধাক দশুক নির লো। দেশত শ্যামে। এতকাৎ করেগাহিশ্র এক দশ্যা মুগোন্ধঃ। ক্র্যানরোবা নারী বা পক্ষাে বাভয়েরপি ইতি।

सम्बद्धीयिक समी क दश्मक श्यास्थ हुक स्वत् पहे श्राक करि दिन दे ।। जेशदान ना कदिएक यह दिन हिन्द करे । महाश्री हुन दिन स्वाद्धित दहन ।। सम्बद्धित यहिनिहिश्म हिन्द करेंगे। स्वाद सन्नोदित किह कदिएस विभन ।।

क्याहि संस्थातिकः । सन्तिका । अन्तिकिति । क्रेग्रानिका

प्रमा वाश्विद्धका निर्वा शृथामंत्र काइन्त प्रमान वाक्षणान् वालि काउन्हर में भी कि दिख मूर्तिरका मानर मकार सम्बद्धिः विवश्व क्षा में देख । नाडी स्थिति कृष्तिमा क्षेत्र स्थापित्र स्थार क्षा में देख । नाडी स्थिति कृष्तिमा क्षेत्र माणा मरशामिका स्थार माजकार श्रीक में नेत्र शांत्र मार्गिनः। छेशवाम केलर जम्हाक वालः श्रीका सरभावः।

जनारकार लेगान मारत ममर्थ। श्रिनिध मित्र जाता कता के विक्र । विक्रिनिध कि । श्रिनिध कि कि । श्रिमिध कि । श्रिनिध कि । श्रिनिध कि । श्रिनिध कि । श्रिनिध कि । श्रिमिध कि । श्रिनिध कि । श्रिनिध कि । श्रिनिध कि । श्रिमिध कि । श्रिमिध

हाद्वादशास्त्र स्विक्षिक विनारमा सममार्थ महोत्रमा दुरक वा सम्बद्धाः कर । काद्वाद्व सर्भाभन्नीक भूष्य वा विमयान् कर । क्रिमी कुर्विक्ष

व्यानिक (पर जार्थ वुक विश्व शिष्ठ । शहीना शूव्यक करन केंद्रा है व युक्त शुक्राविक वृद्धिक गाँकि केरबार म कदता । खर्था शहर व्यान स्वत्र ।

চথা চাৰা ব্যায়ৰোক হা কৰিব বিলাগে। শিকু মাতৃ পাছ ভাগ চাৰ টুমানে কু বিশোষত: । উপৰামৰ প্ৰকৃষ্ণীন: পুৰাং মাত ওপ কৰে এ বিশ্বামাতা পতি ভাতা বিশোষে প্ৰাধে । উপৰামে মাত গুৰ জানাময় প্ৰায়ে ।

महाति शतिकन्यानः। बोर्करश्य श्रेतरमाज्य रहिष्ठ कि विशास

रविवित्र मी विकास

दक कृ क मरक्रम बान बृह्माकूत किरणेर । शरतः मुरन्रिकन वा लि

बाना जाजूत वृक्ष उद्देश बजन । कपिनां हि शारत करिवारत है शनम इाट्स श्रेक कुक रथा। युक जिन देनव । किशा सन मृत्य प्रश्ना का कि क्षितिया। ज्युक क्रांश गा कर्तिय कपाइटन । बहेशक हाति करिक क्षितिया। बहुतिया।

তথাচ বোগায়ণ্যত্যক্ত হরিভক্তি বিলাদে। উপবাদে তাশকানা-নদীতে ক্লক্জীবিনাং। এক ভুক্তাদিক-কাৰ্যা নাহ বোধায়নোমুনিঃ অশীতহার লনউপবাদে গক্ত নয়। এক ভুক্তাদিক কাৰ্য্য কার্যব নিক্ষা

বিক্ষনভাষিতিঃ পরিভূতানাং পিড়াধিক শরীরিণাং । কিংশ দ্বীধিকানাট্নজাদি পরিকশনং । অস্টীকা ।

ব্রিংশীরখা বিকা নামিতি যতি রেবোল্ডমং বর ইত্যক্তা ভারসুত্তম মুস ব্রিংশ বর্ষেরবিকানাং নবতি বরসা মিত্যপাঃ।

ক্রাধিবুক পিড়াধিক হর যে শরীরে। শশীত পরে বুক্তান, ক্রেরতেনা পারে। রাব্যাদিতে শনুকল্প যে বিধিকরণ। তাহা করি করিখেন ত্রত শমাপণ।। বঙ্গনীতে খনুকল্পে ভোলন খেন। হয়। ক্রমকরি লিখি শাস্ত্র মত যেই কয়।।

उथादि बारावगान्त इतिचलि विनाम वर्ष विस्मवर्थान्छ विकर मोलर। श्विमान समापनमा कलर जिलाकी संस्थापुरार्था मृत शक्तमार्थि वीचवायुः समस्य सखास्त्र मृत्यक्षः।

बाटकहरियान किया त्वहे अत्मापन। क्ला किया विकाकोग्नः अधु वा क्लाअन ॥ युक अध्यादा किया बायुक्तः क्लिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट

MARKET ALLANDING

स्थ नहीं क्षेत्र है कि को कि इसके हो है जो सिंह । छा हो है। कि बि

विशेष कितिशिक्ष श्रीत जिल्लिय निर्म निर्म कृत्या ना पिश्यम। देश के निर्म के विष्य के विशेष किति। ने पिर के स्थापन का त उक् कि पिन के सिर्म के ने किति। ने पिर के स्थापन का त उक् के नाभरत । नारत कि जिल्लिय के मूल्य ने इसे। मूल्या कि

स्थानिक्षिति । अर्था क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रि

मुक्त मुम्बका मृत क्षेत्राकाति इते : बुक्त तत है के करन (क्षेत्रम क्षेत्रम् । शिक्षेत्र का ज्ञाकात्र देवर त्यदन। बहे करे बुक्त नाहत्र क्षिति ॥

व्याणवान। कामाण श्वकार्यी छ । इति कि विनात । बहुनात इति कि विनात । बहुनात इति विनात । विन्ति विकार । विकार विकार विकार विकार । विकार विका

ক্ষিত্র শায়ন পার্য একাদনী দিয়ে। তন্তিকরি ক্ষিকেন কর অক্ষরতে ৷ অর কিয়া ক্ষম্প ভোলন কে করে। প্রশাস প্রাত্ত বিশ্ব নার্যকতে পাড়ে ৷৷ একাদনী সাধীতা ক্ষিত্র করিটাবর্ন প্র

र्वित संद्र रिक्शिक्शा

उशाह छख्नातरता के हात्र के विमारण । गार्टिंग मर्का निर्मित । रतात्रिमार स्मित्यर देन। त्रक्षिर मर्स (मोकामार मिसिटिक किमी) किथि:। मानापूर्वथ मस्मिति मर्नाटक महिष्कि। स्कार मुन्ति। मिस्ट स धना महिष्कि।

माण हिल्लावी रेग्राक वाणरकत शृक्ति। हेन्यपरका कर्मा कर्मा रेग्राह द्वाती व्राक्ति। रेल्ड क्षांक क्रमा ला कि अकामणी एक प्र हैशहल मन्मात्र माहि जानिक निक्ति। नामा क्ष्यप्रेमु किया क्या स्मी करत । तमहे जन वृक्तिमान थना क्ष्म-माखा। ज्ञाना क्या क्रम क्ष्मि क्षित्र क्षेत्र क्षा क्ष्मित्र महिल्ल नर करण क्षित्र व्यव क्षित्र क्ष्मित्र क्ष्मित

ক্লাই নের নির্ব। মতঃপর কহি শুন সর্ব সহালার।।
ক্লাই পোতালী কারিকা হরিজন্তি বিলাগে। একার্ট্রী সংশ্রী
ক্লোত বিবিধা ভবেও। বিজা চ ত্রিবেণা ভবা ভ্যালা বিশ্বনি

बर्श्युर्शकाननी परका जकारनी बाहा जकारनी स्थ जहाराहार एकाइ। जिदिशा खकाइ दिका जकारनी रेस निर्देश करा मनी रेडकिंद निकार

क्षा है क्षितिमन् कर है विक्कि विक्षित निर्मा के ति का है या परी

श्राहिक क्षेत्र हो ते मुख्यों । अक्षिमी इस त्यहे विका त्य मन्यमो ॥ अत्य केशवास माहिक साम श्राहिक । श्राहिक छात्र विक करह माल्या ॥

कृषि विमानित श्रवभावनधन।
कथानि तुच विदृष्ठि छा। महिक्कि विमानि । कछा। महि विस्ता महिक्कि किन्ना स्था । अधि विद्या विद्योगिकाः श्रव्यानमा संगदाय महिक्कि क्षिण उद्युद्ध मुस्याक कान मृत्याक । जूबी सर कर्जा विद्युक्त ।

रक्षिक नंत्र में निक्षा

श्रेष्ठ कहिन अस्य (सर्वेष्ठ विखारत् ।। विश्व । जीत स्रविकात्र कत्त्र । कथन । चौत्र स्वत्। किल् इस स्विद्ध वर्ण मृ।

स्वाहि नाइपीरमाण्डर देशिककि विनाम । गरावर्थाण विद्याल प्रभागामान जात्वदेश मूंडेडी विनामा म्यू देश क्षांक क्षण र मक्ष प्रभागी मध्यू अपि क्षण प्रभी इस । रंगरे क्षण प्रभी क्ष्यू ए हैं नार्य । नवभाव प्रभागित द्वार्थित बारक । भक्षा क्षण स्वर्ध मूद्द विनाम नारम ॥ वस्त्रोक विद्यार्थित य विशिष्ठ । कार्या स्थाप क्ष्य क्षिय ।

स्व शहि इदिलक्षि विकारम क्लोर्स वृक्त वदर्ख श्रवद्रशाखर। प्रस् विवास छ। क्षेत्र विकास मनुदर्शीम स्वर । शावत्र स्रामामधारे (सर्व भाव विजिल्ला। स्वमा निका। कृष्टकी वन्न क्ला प्रिवारममा निक र्स्स । क्ला विकार श्रविकामा ख्रवा वारमावि श्रवासमाधि म् निकास साम व्हादित्र ।

(कर करन विका अक्रानमी मिकर्डना। कर करने विद्या प्रकानमी मकर्खना। केन्द्रसम्म विवाद प्रकान में स्व निकार । क्राक्षेत्र व करने मिक्स नामि करा । वानमी क्रिया नामि विवाद । व्यवस्थि मिक्स नामि करा भावत् करमा । वानमी प्रमानी मुख्य बरें के केरणाम करा । वानमी प्रमानी व्यवस्थ बरें केरणाम करा । वानमी समानी व्यवस्थ बरें केरणाम करा ।

क्याहि श्रिक्क विद्यास नाइरीय छ । बाम भी न मही कुछ । यह मारक श्रिक्क । नं कर माक गर्र में ते विद्या महिता स्वाद ।। न मही गृक्का क्षक क्षित स्वादक करवा र नहें माहिता है नाहित श्रीक कर ।। बाम निकासित महिता मही क्षक महिता है। भिन (महे बाक क्षाह) कर्ण बेट्टा। 33

पर्वशिक्ष विदेशास्त्र मारमार यकि क्या वाममीटि छेशदाम क्यि । विक्यों विदेशिक्षी किल्ल छशा शाह्रमा इस्त । छश्वारक आखाः । এই अवस्थित स्थित या स्व कार्यक्ष छिथित मरशुर्व स्थाय । आवित्राम स्थायको देवस्यत्त श्रम् ॥।

संब मृत्री जकरन न किसा नकन्।

भर्णुनं मक्टल् जानि विकास मक्ता अञ्चल गर्णुनंत शक्त

उपादि कैंग्लाखर इति छ विकास । श्राजितम शक्ष विकास । इति । कार्य विकास । कार्य । कार्य

७ वा कि श्रीप्रकृष्टि विवास स्वित्यार्छः। सकरणापरवर् मानी शह गांधः स्टर् प्राप्त । प्रस्त ।

क्ष्यक्ष वार्षाक्षर वृद्धिकि विनास्त्र। क्ष्यत्वानयः विनासि । मध्यक्ष यपि । कृष्ट्याश्चः वहा वापमीनाः स्ट्याममा विभावनगर ॥ व्यक्षरभानत्र (वर यपि इस क्ष्यामणी । स्वरं क्ष्यामणीहरु निर्देश क्ष्य वामी ॥ क्षेत्रवान इरेश्वक क्षामणीतः पिरम । क्षयामणी किथि मध्य इरेव भावर्षः ॥

কিশ তবিবাজিং। দশদী শেষ সংখ্যক্ত খদিন্যাদরাধা
দ্বঃ। বৈক্ৰেন্ন কত্তবাং তদ্ধিকৈ দেশী ব্ৰতংম
শেষ দশনাতে যু ক্ৰমক্ষণ উদয়। একাদশী ব্ৰতংশা বৈক্ৰের নঃ
ক্রেত কহিল বিক্ল ত্যাগ বিষয়ণ। শুদ্ধা একাদশীর ভাইন ভারন
ক্রেবা

बारा नेत्र ॥

मन्त्री स्थापित पत्र ।।

निक्ति जिल्हा निक्ति निक्ति विकास पान प्रकार पान प्रकार कर विकास प्रकार प्रकार

তথাহি বৃশ্ববৈধ্যাতং হয়িভজি বিলাগে। বিষামারল নীং আছ ভাজাদাভ চত্তকয়ং। নাড়ীনাং তেউভেসংশ্ব বিষয়েদ্যভাসংজ্ঞিত ইতি।।

श कि । विशास कि त्र । व्याप । व्याप के प्रमास कि । व्याप के प्रमास कि । व्याप के प्रमास कि । व्याप के व्याप के

विष् अर तिवान में शिकाणार अस्ति कि विनान न नातिगार धेकामणा शक्तरन धकामणा र निकार व वर्गनर विष, ठाल अविका के बन के थरना नाम विकास में देश रेश के श्रीकाम खोल में में में में कि खेल कि कि है कि उनार मरिया कि श्रीकाम खालिए में में में कि खेल कि कि कि उनार मरिया कि श्रीकाम कि समाधिक में कि समाधिक कि कि स्वीत कि व्यक्त

र्विवागव पीलिका॥

कर्र महा मानभोता मः छ। कहि श्रीत । मरमत मश्रीत कन मक्षी

তথাহি ব্ৰহ্মবৈৰ্জে, ক্লং হরিভজ্জিবিলাসে। উল্লীপনী । কল্লেটিচ বিশ্পাশা পাক্ষৰ ৰ্জিনী। জন্নাচ বিজয়া চৈব সমন্ত্ৰী প্ৰাপনাশিনী ইতি।।

आहमः छन्। तिनी वार्ष ति शक्त किती । विशिधारण धरेनाति कार आहरू शानि । श्रेक त्यारण व्यात निति भागनी त्य इस । व्यातमा क्या श्रित शानिमानिन कर्म ॥ महाँ छे भागमा वर्षे ध्या मृत्ये कानि। किथानिनीत व्यव नक्त वार्थानि ॥ शृशक भूषक कांत्र कवित तन्न मृत्य ध्याव वाका खन भिन्ना मन ॥ छन्। जनी महाँ त्र वित इस भानि नाम । कंकन निविद्य कांत्र ध्रुट्य क्षमां ॥

তথাতি এমবৈ হওঁজিং হরিভক্তি বিলামে ॥ একানশীত । সংপূর্ণ বদ্ধতে পুন রেবসা। ছাদশী নচ বর্গতে কথি । ভালিকানাভিল হাত।।

क्षानिभी पाकिन्छ श्रिक्तिका नत्र। श्रात घाष्मीत गरक पनि रमान इत्र ॥ উপবাস देव रम हे बानभीत जिल्ला । नात्सानभी जिल्ला छथा। इत्रेव शाहरत ॥ डेक्ट्रीलनी उठ अहे कहिल जिल्ला। वक्षणी जाउन हार खनह निर्णेत्र ॥

ज्यार बुकारेवर छोज्य श्री इस्टिक विद्यारम । हा परमान विदर्श ह सरहरेव का मनी यमा । वश्री विस्थार के श्रिका भाभवानियो ।। ज्यो ह का निका भूतारवाक श्रीक कि । विद्यारम । ज्यो मनीजू मरभू विद्यार ।

रतियागत नी शिका है

কেন্দ্রে। দাদলী তর তিথি বৃদ্ধিশ্বাদ্য তথাতি ভবি বৃদ্ধিকং হরিভক্তি বিলাসে। উপসা দাদলী শুদাদাদ শামের পারণং। বিগতায়াং রয়োদশ্যুৎ কলা বা বিক্লা

शिका ।

श्रीकित उकाननी गरशृशीदृष्ट्व। श्रिष्ठ विष्कि विषक्षि विष्कि विषक्षि विषकि विषक्षि विषक्षि विषकि विषक्षि विषकि विषकि

क्षां हि अक्रेरे र दिखे जिल्हा हि जिल्हा । व्यक्र है । व्यक्त व्यक्त है । व्यक्त व्यक

তথার্চ নারদীয়োত্ত ২ হরিভক্তি বিলাদে। একাদশী ভাদ জী ক বা বিশেষ এয়োদশী। বিশ্বদান মস প্রক্রিক ইভি।।

क्षणिमणी धामणी त्म चाद खारामणी। अकृषित जिन विधियनि क्षर व्याणी। त्मरें जिल्लामणी पित्न देश अनुवास । शृद्ध क्षणामणी किथि कदिया तेनदाण। कृष्यासणी पित्न देश शावन निवस । िक्ष्य स्था लक्ष्म करे भावन्य स्था शावन किनी द रेख अन्द भणना । अक्ष विक्र क्षण अन मानु महें अन् ॥

क्षितीर गुक्ताविवर्त्धाकः रिज्ञक्कि विशास । कुछ हारक विशादिकिर श्रामाण्य भिक्ति । विश्रोदेकामभीः छ्या

रक्षतात रोणिया।

बामनी म मूर्शामरा । उथान मीर माइक र रिस्ट के दिना त्मा बमा दा रिस वा शर्मा मश्मिती बाइक यमा । अंकान विश्विक म्यार्थ প্রতিপদ্ধিন । ब्यार्थ प्रेट ख्या मान ভবেৎ পক্ষ किनी ইতি।।

क्ल बाका वाणिन छ थाकि वृद्धि इस । वृत्त शक्किनी विनिद्धांशाद्य कहत ॥ क्षणाननी ज्यानिक वा माननीत मिदन । छेशवाम कृति क वृत्त आहत्रता। वहे या कहिन श्रक्ष किनी से वृत्त । मित्री से मदं विक्षा खान क्षणान मिक्षाल ॥ कृष्ण कृता मूहे शक्क कहे जाति वृत्त आहत्वित मानूकन देवक्ष देव संग्रह ॥ क्षण त्याला आत जाति माननी या हस । छ लोत नक्षण हैदन कृति स्व निष्त ॥

मन्त्रं न निवन क्रकापनी एकरशानरम् श्रक्काल शाद क्रकानने भित्न एकरशामम् कारण मामनी यनाशि हाल इस क्रम इस भागविभिने हम मामनी जिथि नरम विक्षि इस्मा क्रमावन। किन्ना शृक्ति। एक एम शाद श्रक्तिभिन्न किन्नू जिथिन भर भारक क्रमें एक भाभविभी हम।।

অথ বেদ বিহীনাপি পূর্ণতৈকা গদী তিথি অগ্রভো বৃদ্ধি গামিত্বাৎ পরিভাগৈ বৈক্ষবেও ৮ পূর্ণতক মরুলো মারভুরা ক্রাণতালায় হ থাবং ।।

ज्योहि वृक्ष वदर्श कर इत्रिष्ठ कि विशास । सथ श्राटक अयुक्त मः वृत्र कर्त्व ग्रायशा । य सामी मान कर् क् नार स्था वा कर निक्तारा ।

क्यानाम मानभी बखनर लक्षण (मर्श्यु छर्त्र (मरे भौक्ष निकलन। क्षेत्रीरि वृक्ष श्वाद्य छ॰ रिविष्ट विवास । नोमभा।

হরিববির দীশিকায়

जुनिक्ष भारक समस्य पि भूमक्त्रा नामा माञ् सप्राथा। जा जिन्ना गुरुभाजिति देखि॥

ख्का मामभी यनि श्राक्षणभाग्र । सम्मान ख्वामशीत् ७ कशिए जागर ख्रिक किल समा द एक समन । दिसमी ते एक किल समा द एक समन ।।

क्षिण विश्व पर्या गर्ता कर श्रीक किलारम । मना व् क्षिम मामभी समग्र सम्भ खर्द । उन्नाम विभाग में श्री किलार । भागभी दिसमा मृठा है छि।।

क्षिमी ख्री एक स्वनक यनि स्म । विस्ता प्राप्ती यनि छ। १०० क्ष्म ।। विस्ता प्राप्ती यनि छ। विस्ता प्राप्ती किल्ला ।

বুদিল।। বিজ্ঞাহি নুমাপুরাণে কং হরিভক্তি বিল্লানে। যদা প্ শুর ভক্ষদনাং শুরাপভাৎ প্রকারতে। কয়ন্তী নাম শাংগ্র ক্র

💃 নৰ্ম পাপহরা তিথিঃ ইতি ॥

्रें क्षेत्राममा त्रः युक्त राज्ञ । त्राविशे । क्षेत्रकी माम भी वास सरीता भोदी ॥ मुत्रकी युक्ति वह कविन नामन । नानमान्तिय कत्र नामन मुद्रन ।

ভথা হ বৃদ্ধপুরালোভং হরিভক্তি বিলাগে। যদাতু ছা ভুদেশাং পুষাৎ ভবতি কহিচিৎ তথা ৰাতু মহাপুনা কথি জ্বাতা পাপৰাশিনা ইতি।।

জুদ্ধানশীতে মদি পুয়া হয় তুত্ত। মহাপাপ কয়। পাপনাশিনী তে উক্ত ।। লক্ষ্ণ কহিল কহিবুত আচয়ন । দুক্কাই এসৰ কথা শুন ্দিয়া মন ।। কয়া আদি দুদ্দিশীর বুতের নিশ্র। আগে কিং শুন শাস্ত্রমত যেই হয় ।।

इस्तिमत्र मीर्थिका।।

তথাহি পাঁলোজগুরুরতক্তি বিলালা। তানাকোদ্যমার তা পরিত্যান্যধিকাবিচে । ব্যাল্যান্যানি বাসভ্তা ভোরীশাং বুডোচিতী।।

रतीत छम्स व्यक्त काल दक ना शिमा । जा पंनी था करत गति ना स्थ इहेता ॥ जृर्या प्रमात छ यनि इस शास्त्र प्रमा । जा पंनी ते ना प्रिक स्वतः हस ॥ दका पंनी जा शि ज्या देवस्वतं श्राम प्रमानिकीरक तिरतः दुरु व्याहतन ॥ धहेदक श्रामत तृ व्याहतेन कहिला । जिल्लीस रकत स्वत स्वत स्य कि ज्ञा विश्वता ॥

ल्यारि शारम्। किर स्तिष्ठि विनारमः। किशा मृद्योगस्याप भूषिः श्रुविकानि। धिकानि दिन्। मयानि वी क्रियोग्यार

তথাহিপাদ্যোজং হরিভক্তি বিলাদে। শ্রন্থ ব্যভিরিজেব্ লক্ষেত্র খল্তিগু সূর্যান্তেমল পক্তং কার্ম্য দাদশা পেক্ষনং ।। পুরণা কোনের কিছু আছমে বিলেগ। প্রভাৎ কহিব ভাহা করিব। নিঃশেব।। এইত কহিল গ্রেব বৃত্তের নির্ম। পারণা কালের কিছ

হরিবাসর দীপিকার।

তুলিকে প্ৰাক্ত বদি পুনৰ্কনু। নাৰা নাতু জয়াখাত। তিবিনা সূত্ৰণতিথি ইতি।।

শ্রেনাদানশা দিদি পুনর্মস্পায়। শরাসংজ্ঞীসহার্ত কহিলে ভারত

कथारि विजूपार्का करताकर रविष्ठि विवास । मुमाज्

े अक्रमानभाग नकरा अक्ष करद था छमा माजू नहीं भूत

अभागमी दिलवा मृठा **दे**लि॥

क्षिमी अकारक सरवर्क यिन क्या विश्वता मानकी द्रान काश्रत क्ष्या । विषया दुरकर अरे नव कि कि अपने कार्यो नक्ष्य मून या कि क् युनिन ।।

তথাই বুকপুরাণে কং হরিতকি বিলাদে। গদা তু শুক নদুদেশাং অজাগভাৎ প্রসায়তে। জয়নী নাম সা প্রে ক্রা নমন পাপাহরা তিথিঃ ইতিয়া

क्षिपाममात्रक युक्त व्यक्त । श्राधि । सम्ब्री मामनी नाम महाना क्षेत्री ॥ महाती युक्त हर कहिन सक्त । श्राधिमामिकी व क्ष सम्बर्ग मुद्देश ।

তথাতি বুলপুরালোওং হরিভক্তি বিলাসে। যদাত্ শুন শ্বাদশ্যাং পুষাৎ ভবতি কহিচিৎ তদা নাতু মহাপুন্যাকথি তিন্তাপাপনাশিনা ইতি।।

ভথাকি পাঁচেনাজা করিভাকি বিলালা। তালাকা দেওখার ভা পরিত্যান্যথিকানিচেৎ । বাল্যান্যানি বাসত ভা ভো দীলাং বুডোচিতী।।

उथाहि शारमाङ्गिः इतिचङि विनास । किशं मृत्योषग्रादः भू हर् क्षेत्रकानिक्षः। समानि वोक्षराभागः

্তু ভাচৰণ বোগ্যতা ইভি।।

किम् . न त्य भावत है शास्त्र वाक्षित । वाक्षित कि श्वत न व्यक्षित । वाक्षित विकास न विकास । वाक्षित वाक्षित । वाक्षित वाक

ज्याहिशामान्तर रविष्ठि किमान स्वतं वाजिति छत् नक्रबंद यन् विष् मुद्रिसम्ब शक्ष कर्म प्राप्तमा शक्सर ॥ द्वना क्षित्र कि ब्राहरम् विष्णय। शुकार कर्मिकार किवा निः भया। ब्रोहरू करिन ब्राहर्म विष्णय। श्रीकार कर्मिकार किवा

श्रदेशांगर शोशका।।

্লাছে ভারতম । গ্রহদুহত ভালা আদি করিব বিভার। যে কিছু ুক্তির কব নিভাতের দার।।

ভিত্র কাজি পাদ্যাকে ২ বিভক্তি বিলাসে। ব্রেডি তিখোর ত এবিকাতি থিকেৎ পারণংভং: । ভাবেস্যাকেতি থিন্যুল তিবি মধ্যেত্ পারণং ইতি।।

কাৰ্মীর সংশ নক্ষের যোগ রয়। ঘাটিবল পাকি উল্লেড ড্রা ইয়া নক্ষের নূন হয় তিথা দিক হয়। কলাতে পারণ তথে ক্ষি ল নিশ্যা ঘাৰশার নূন হয় কক্ষ যদি বাড়ে: ভাদশার সংধ্য তথাপারণ আচয়ে। পুনর্মনু পুয়া যোগে পারণ সিভান্ত। এইড ক্ষিত উভয়ের অভিমত। গ্রেহিনী শ্রণার হিছে প্রায় মত হয়। বিস্তারি ক্রহির তাহায়ে কিছু সাছয়।

তথাহি পাৰ্যোক্ত হরিভাক্ত বিশাসে। নাদসা নদ্যুক্ত। ত্রুদ্ধৌ বুদ্ধাচ্যুত সংয়েঃ। তথ্যে পারণং বৃদ্ধৌ শেষয়ো ুস্তদ্যিক্তনে ইভি।

कि मिन्न वार्ग शास्त्र भूत्वा (वाहिनो। शूर्विट मान्नोतममाधि अस्ति क्षानि। वाणिन्छ शाकि श्रेक शर्म तृष्टि रम्न (य वहिन। उन्हर्जन अस्ति श्रिक्त श्रिक्त विश्व । शूनःक्षेत्र श्रुम पृष्टे स्मृष्ट य वहिन। उन्हर्जन व्यक्ति स्व शादन कि वहिन । विश्व । तृष्ट ना कहिरम श्रिक श्रिक कि वहिन । विश्व । तृष्ट ना कहिरम श्रिक श्रिक कि । विश्व । तृष्ट ना कहिरम श्रिक कि । विश्व । विश्व । व्यक्ति । विश्व । व

क्षेत्रीह शाम्त्रीक्षः विकिक्ति विमास । मुवर्गक्य मनव् वीर्गक्षामगार ममालवा ।। गणाशामणि विवय वृष्टमा চিভতা ভবেং ॥

१/७ श्रीवृतिवागतं मीशिकाशः श्रीवृतिकासः विवासिन्
ग्रीत्वाश्यकामभी द्ववद्रानं गर्गार्वव निर्माति श्रीत्वाश्यकामभी द्ववद्रानं गर्गार्वव निर्माति ।। ७ १।
लेशक्ति। द्वार्थक व्यक्ति वर्षा स्थानिम् स्वीया ।। ७ १।
क्षित्व । स्वतः निर्माद मग्रीलन्।।

জ্যা ক্রিচিড না জর নিত্যানক। করাছৈত চক্র নায় গৌরভত বক্ষ ইয়ে করি দশনীর শুন প্রকরণ। সংগ্রেম শুন ইল বৈক্ষার লগা। দশনী নিবাস যাবা কর্মবা কর্মবা। বৈক্ষা গলের তীয়া অনুসায় শোহনা। এত মাত্র পূর্মি নিল বে বিধি করল। শান্ত্রনা কহি শুন সে সব কথন।। হরিভজি বিলাদের মতাবলন্দির।। কানব ক্রিশোল করি শুন মন দিয়া।। প্রতিঃ জানি নিতা রুত্যাদি সব দ্যাপিছে।। সুবেশ হইব ক্ষোর কর্মাণি করিয়া।। বৌত বস্ত্র পরি প্রতির ক্ষাণ

তথাহি হরিছজি বিলাসে গোষামা কারিকার প্রাক্ত বানাদিকং জতা সুবেদ হৈ ক্রেকঃ। ব্রতং সংকল্প কুর্মাত বৈক্ষর চ মাহাং সুবং। তান্ত্রশাসংস্থান े निक्रमात्रका अतिरयाधाः तकर एवं । निमिष्णः भव एमस्वरूप निर्मिष्णः करू दर्शनीत् ।

मन्दर्श इतियो, य करिश प्रश्नित । धक्त कृतः देश्यक्ष कर्य स्टब्स्टर भग्नेन ॥ श्रिप्राम्बर्ग १०० अव विश्वको । क्राइत श्रु क्राप्ति स्थार क्रिक महरू ॥

্জনাই নারদায়েতে চারদ ক্রা ল্লেন্স কার্যারন ৯ - লক্ষে ক্রিয়ার নিষ্ঠি চ্যা অব্যাহন ক্রান্যার নিষ্ঠি চ্যা অব্যাহন ক্রান্যার

विवाहि नाइ नीहराकिः कि विवाहित दिवाहित दिवाहित।
विवाहित है विवाहित के कि विवाहित है विवाहित ।
विवाहित है कि विवाहित । यहिका कि कि विवाहित के विवाहित कि विवाहित ।
विवाहित के विवाहित कि विवाहित के विवाहित कि विवाहित कि विवाहित के वि

APPRINTING

कत्त । काश्मनाहत (कोर्बन कार्मा हिना ति । मधु मी न ममुब्र के विविध्य । भवान काष्ट्र किनी किक पूर्वन । भिना भिकेट मधु किविद विवर्धन ।। भाक मा गार्च विधाक थाना करित । विक्षिण कात भविष्य उत्तराति ।।

र्थाविकात्माकः इतिबेखि विनातम् । कार्यामाः मर् ममृत्य व्यवस्यातम् पृष्टाम् । भाकः सथु श्रास्य छात्वः प्रावस्य विधः । किथः। कार्या मार्यः ममृत्ये श्रीम (खाकः । स्रीमश्रमः । भिलाशिकेषं भाक्ष्यक्षाम् मार्थः श्रीमक्ष्यं (प्रावस्य विश्व

अकाशाबि इहेरवक मन्त्री निवरम । मलशावन कविषय खानेरमञ् १९९४ ।। अकामभी निरम माहि मस्त्रिव थावन । यामना अल्च करने भू । श्रकानम ॥

তথাতি মাতসা উজা হরিভ ডি বিলাণে 11 সশাসামেক ভুক্তপ ক্রীতি নিয়তে জিয়া বিলাস দল কাতৰ খাদটা তদনত হুমা

এক ভুক্তের কৰি শুন ভোজন নিরম। দীনক্ষি শতীভ হৈলে করিব ভোজন।।

न्वयाहि (भाषामी कातिका। विनाध ममद्राकी एक कृष्टी एक निम्नामन वर । এक जूक मिकित्था कर कर्डवा कर आप प्रदेश ममभीत श्रेकत व देवन ममाश्रेम । साञ्चमक द्यूपेश्यम कृतिन दर्गन ।। सन्तिका (भाषामात क विमा ६३० । इदिकासक बीशिका, करण द्रमीन (भाष्ट्रम ।। STORY STATE OF THE STATE OF THE

The state of the s

मार्का मार्क प्रित प्रवाद मुक्ता प्रदेश करा का विक्री से में उ

काडि औरक्ष्या समूर करण्या

लहार किठलना जब विकासिन । जहारिक ठळा जब भी तेवल वृत्ती देशका मिनक्ठा कहिएक शिवन । बहिराक श्रिमानन देकरवर भन श्रीका बामकहि एकि कहिए कार्य । वाहिर्ण जिल्लाक करिया श्रीका है कि ब्रायिक करिया कर्मालाक रेस्ट । उपल्या करिया श्रीका करिया । विवासिक वाहुशांक कार्य देशका महाला करिया श्रीका करिया । विवासिक वाहुशांक कार्य देशका महाला करिया

क्ष्माह शासांक कांत्रको एतिकाल विकास । श्रीक श्रोद्धा श्रक्तिको ए कांग्यर वश्रो विश्वि । क्ष्मा क्षीवर अमा श्रीद्धा श्रक्तिका कांग्यर ३ कथ्री एत्वरकांकर एतिकाल विकास

श्रीक महा मरम्बाद काहि शूर्वमूष् मूर्यः। छेशवामक शही

छत्र ग्राक्लाग्रज।।

AND STATE OF THE PERSON OF THE PROPERTY OF THE PERSON OF T

्रिकार्ग क्यांक कांच्य शकेलवाज लगावका भारता अञ्चलका साथि लांच वृक्तिमान सम् लगाम कविन्छ

का किर श्रीपरा।

क्यार (वायावा काविका।

सर्वे में विश

चाडक छश्रवछ्छ। शिक्रमंद्रीच राज्या। विस्तार विकाशमास मुख राजशास रूप। छथाहि मृजुङ कारमः।

भर्ग्का (मदरण्यनः कङ्गाशक्तार्युष्धः। भर्मश्रीक किरणक्तिमान म्लामककार्यद्वश्र

क्षेशवान नक्ष्ण धार कहर सब्दा नाम्नम् एक करि सन नारत विस्त भाभकाश काशकाश कहिया निक्या गटन्त नहिल दान मना यह रया। देशवान करह साम भाकित्वत ग्राम। धारेक करिय देश याज्य नक्ष्मा।

> ভথাহি উপৰাস লক্ষ্য শ্ৰীযুত গোষামি কারিকা। উপাব্যাস পালেভ্যোষস্তবাস গুণৈঃ সহ। উপৰাসঃ সবিদ্যোগ কৰি ভোগ বিৰ্ক্তিত। ।।

क्षिकि र भूकामाना इन्सन त्वभन। शक्ष चनका बाद के उन वनके क्षिश्वारम् अनुकन अर्थ नहित्। प्रथावनाक्षन मकन क्षित्।

ख्यांकि द्वांभारकाळा माठाठरणन ।।गबानकात्र वानारनि भूक्तबानामुख्यभार। उभवादम हि मृग् हि परश्वेत महासंस्थ

क्यारि भाभावित्वाकानि मृग्डमा। विश्वितामन्त्रीन किञ्चाना मनिक्षकः मिनिकः (मरन् निर्) तक्कनीत

विन्ति कार्यकृ विन्ता विन्तान भारत। स्मानिक देशकृत केन्नानी

क्रवानि भागाउटमाने गुणानि । जनका कार्य मुग्डर निवस्त्राणक रेन नृत्य । এकारभाष्ट्र मक्सीं केशवान महानिवश्या

सी 6 জ হয় যদি পাবভী দশন। প্রায়তিতা হয় তার স্থ্যাবংল।

्छ शार्क विश्व शृहारनां छ॰ निक्रिक विभारम ॥ छम्। तत्ना े कुन ६ मुर्व १९-भर्टमाक मध्यमन्त्रह देखि ॥

भावकात न्याम मुन्न व्यक्ति वस्त । महायान श्रीय विक भावका स्वत्र । क्याहर विक अर्थकत मुतादन के देव क्रिकार्य । मरण्यमंत्र व्यक्ति महाकर व्यक्ति । क्रिकार गावकर गत क्रिकार । क्यानका क्रिकार महायान हिक्का गावकर गत क्रिकार व्यक्ति । महायान हिक्का महायान हिक्का क्रिका व्यक्ति क्रिका । महायानिक देवत नम् (क्रायान क्रिकार क्रिका व्यक्ति क्रिका । महायानिक देवत नम् (क्रायान क्रिकार क्रिका व्यक्ति क्रिका (मायान) मायाना मन्याकर क्रिकार क्रिका व्यक्ति क्रिका (मायान) मन्याकर

क्षेत्रके क्षेत्रका क्षित्रका । क्षेत्र नामान । महानाम । क्षेत्रके विक्रित विक्रित (श्रेष्ट्रक्ष्ण काधिश्यनः गरकार्य (स्वत्र क्षित्रकार्य । निर्माद विक्रित वास्त्र काथाना क्ष्मण क्ष्मण । श्रेष्ट ।। विक्रितिक स्वत्र विक्रित महत्रकार महत्र श्रिक श्रमानक रिकार वहन्। দশ্যাতে সংযম করিয়া বাক্তিক (নিক্ষত ইন্দ্রির হৈল হিংলাতে বিহীনে (ক্রোপ ভেয়াগির সঙ্গা ক্ষমেক ক্রমি অংশ রাবি এই সতে লইব সাধ্যবা।

कथारि পार्णाकर रतिज्ञक विकारम ॥ मन्नभा न भव क्रा तुरु। रह निम्नरु क्रिमः । स्मार्थारु न विहान क्रिम की ज्ञानि मक्टरु ।

्रभूनकीत विरम्प करिया कि शुन। स्वर्ण जानमा मह जनकर्म छन क्ष्म कि मिना क्ष्म मह मिना । क्षम कि यो स्वर्ण क्षम कि यो श्री के क्ष्म के जार्जन जात कृष्णत वन्तन । क्षम मान निवस कुष्ण की जन्म। क्षिणी १००५ है भवानी रेज्य विरे नहीं। क्षम व स्वर्ण मान इसेव है के भव

क्रमाह विक्थरणाक्रदाक्ष श्रिक क्रिक विनास ॥

क्रमाह ठक्क राम्यान छ देव था मुन्नोपिक र उपक्रम क्रमाह छ ।

इताम कार्यम मुन्नोपित ॥ উপবाम हर्डा हा छ ।

इताम कार्यम

विश्वा धरे मर्स छान युक्त रेहा। धन युक्त ताम कृति बाह्य है के मिला है के मिला के मिला है मिला है के मिला है मिला ह

लिल्मारक का मध्यक्र ॥

क्रम्बाक निरंत (बदा बाहरत निश्चम। कहित तम नव कथा व्यक्ति महत्त्वाक्रमः)। वृक्षप्रधानात हित क्रियाम निरंत । व्यमका हिश्माहक क्रामक्रमानिया वर्कात्म।।

ख्यान जित्न कल नाहिक कि मन। कतिवादि थादि तात देवमं भावन ॥ श्रामिविमान विकास देवम हरेव। म देवम खान कति देवभ मिविव ॥ मृत्यम बहत्व हरा मा छै नाहि रस। हीकामधा बाङ कति मिथिया निक्स।

उथाहि का छा। श्रताकः श्रिकेकि जिलाम ॥ वुक्रवर्ष नमायुक्तः मूर्णवाम इद्विश्वः॥ उथाह (मदान नाकः। वुक्षहर्या अश्रिकाह मछा मानिय वक्त नर। वुक्रहम्। छानि कञ्जाबी हिन्ने द्यानि निष्णाः॥

কপুরান বিলে কলপান-পুনঃপুন। যদিকরে একবার তারু পালে করে দক্ষের পার নেশুন প্রক্রেড রত দিবলে শরন। বুত্রোগ্য দিনে করে দভের গার না। উপরামী হঞ্জ যদি এতাবভাচরে। ফল াপ্ত নাহি হয় কহি, দানেবারে ।।

उद्योदि (भवरक त्याउर। समक्ष्यन भागार्क मक्तायन सक्रवाद। सभावाम श्रम् द्यां विवासाभाक रेमधमा द। किक मुस्ताभक वायन मितासाभक रेमधूमाद। समक्रकान भागा सर्वेमाभराम कन्य माउद्या

क्षेत्र । विश्वास्त यात्रास्त इत्र याति । शास्त्र म्ह त्यात्र स्थान वात्रा विश्वास क्षेत्र यात्र श्वासी (ज्ञान । श्वासी निर्ण यति करते क्षेत्र भवता विश्वसी (क्षेत्र सम्बद्धित तक्ष यति इत्र । तुक्कार्य) साम्बद्धार

হয়েত নিশ্ব।।

তথাহি বুলচ্ম বিয়াভানি চ তে নৈবোজানি হরিভতি
বিলানে। প্রীগাং তুপ্ত কেনাৎ লালা ও তাভিঃ সংক্থানা
দিশ। বিদ্যুতে বুলচ্ম্য নারদেশুক্ত সক্ষাৎ।।
একাদশী হেতু ক্লের করিনিত্যাত ন। স্বায়০কালে নই প্রাণ করি
সমাপন। দাগরণ করিবেন সর্ব বিভাবরি। এইনত পাচরিব উপ

क्षावि श्रेणु क भाषाभी काद्रिका। मका निकार्शनः स्टार्श विवाद्धाः नवार्थिकाः। क्ष्णामायः मही श्रुकाः कूर्या। ब्लागवनः निनि॥

আতঃ পর প্রার কহিয়ে প্রকৃষণ। পুরাণোক্ত মেই সেই করি নিধে দন । রুঞ্জার উভয় পক্ষের একাদশী। বৃতীহঞা অবশা হইব ইপ্রানী ।। ক্ষানকরি ধৌতবস্ত্র করি পরিধান। শিতেন্দ্রিয় হইয় হইব শুদ্ধাবান।। নানা বিধানেতে করি পূজা আরোজন। মধা বিধি পুলিবেন প্রবিশ্বচরণ।।

ख्योहि खागत्रत् श्रेषामिकः रित्र कि विनात्म ते स श्रूता त्वां छः। क्वामभागः गुर्को शत्को मित्राहातः न मार्कि। बाजा नमाश्चिधातम धीख्यामा बिर्क्तिता नः शृक्या विध्विष्यः भूषात्राजि नमाहिक्।

मुणागंब भूभनोभ रेनरवगात्रका। वेस विकित्सवात्र के दिवे क्षेत्रक मभाराम मिल्लानि कित समारान। माना विकित्सवाद्धा द्वारकद के दि व खब्दा: मरनाइद न्छागीछ वांगाविक विवा मध्याविभारे छ व मर्क के दिवा । এই वर्ष की द्वारक विद्या भूगाव (स्कासद का

त्वन क्री कि भी अक्रम स

उथिरि वृष्णी क्रिक्ष हितान। भूगार्ग उथा महिन मोर्ग देनदामारेकः भरेत्रहरूकेशशक्त वक्ष विदेशक्त द्यामाण मिन्देनः॥ खाँखनानाविधम्कानीकवानामानः क्रिक्ष मध्यय धनिनारेक क्षत्रमादेक खरशाख्याः॥ धन् मर्गका विधिवज्ञाको कृत्र ८ शकानद्वर ॥

्विक्ष्णदायः देश्वः क्रि जःगद्रन्। क्र्यःकथा क्रिया गानकद्र (यहेज्नं क्रिक्ष्णदायः देश्वः क्रि जःगद्रन्। क्र्यःकथा क्रिया गानकद्र (यहेज्नं क्रिक्ष्यःद्र ज्ञानः (यहे क्रद्रस्रं गमन। इहास्क ज्ञश्मम् नाहि केल्

शिवमन ॥

্তথাহি ব জোক্তং হরিভতি বিশাসে। কথাই বাগীতিডাই ইরাপিক্য্যাহিঞ্পরায়ণঃ। যাতি বিফোপরংস্থানৎ নরো ইক্সক সংশ্যঃ।

किया में तुष्किति छेशवामी स्वता शांति काल कि इस्कर्त के तिव किस्टर्नी में शांति कि ति निर्मि शूर्तान मुवन । ध्रेमण निर्मि विभि निव में भूगन ॥

ভাগাঁহ ব জ্যোজত। একাদসাপ্রাসেত্ রাথ্রী সংপ্রথম জরি। তাঞ্চাকি মথাশক্তি পুরাণ শুবণাদিনেতি।।

 नामि कतिर राजना

তথাহি গোসাবী কাঁদ্বিকা। বৈশ্বান কাগ্যেতাক তীৰ্থ্
শংকোদকাবিতং তেতো দ্বাধ্যং প্রাপ্য বিভান সোৱা

দিকং প্রেন্ড । প্রাণাদি ততঃ অত্যা গীত নৃত্যাদিশং
প্রথং । কুর্যাং প্রোক্তপালক্যং বার্যেন্ডলেই চা
শ্ব জাগ্যনে গীতাদি বাহন নিষ্ণে

নৃত্য গাঁও করি রুকের করে জাগরণ। উপহাস করি শার করে নিবারণ।। ষ্টাযুগ সংস্থারতে পতি মরে। নিক্তিনাছিক ভার কভনাহিতরে।।

ত গার্হি পাদ্যোজং হরিভজি বিলাদে। নিবারমতি গৈ গাত্র নৃত্যুৎ জাগরনে হরে । বছীযুগ সহস্থানী পাচাতে বৌরবাদিবু। নৃত্যমানস্য মত্যস্য উপাহাসং করোজি যঃ। জাগরে জাতিনিরয়ং বাবদিন্তা চত্তদশঃ।

অং আগরুল দশ্ল আবশাকতা ৷

ত্রত করি লাগরণ করে যেবা জন। কখন নার্য তার মরক গতিন।।
বে জনা নাকরে লাগরণ দরশন। নাদেখিব তারমুখ শাল্পের বচন।।
ভূষাতি কাল্যেখ্য হরিছাজি বিলামে। যদেন স্চিতং ভ্রা
ভূষাত্রকং বাতন।কুলং। মুখন তসাম্যবাহ বেন দ্যান লাগ্রেগ্য।
ক্ষা লাগরণ বিধি।।

क्षागतन नक्ष सन देवणस्वत गना क्षाजनांत नकामय श्रिक्त ।।
क्षांकि कार्नमाञ्चर क्रिकेकि । मृत्नीक्षण व क्षांमि कार्गनमा
ज्वकार । यन विक्रान मार्जन पूर्व के मन्त्रक्रमा ।
गीठ वाषा मृद्याकात पूर्वान भठन । धृशकी भ देवरवर्षी भूकार्गने

हमाना । क्रम अर्थ मिन इस्कर्ण अवानान । देखिय निवार गाउ कृति निर्देशम ॥ मञ्चानोते रेटन आत निनिधिक रेरन । अधिनय स्ट शाविक्योग्रक कृतिन ॥ शीलांच्ला उद्योगिन आने क्रिक्ट क्षण । अन् विकान नमकात शिक्ष्य कृतिका ॥ निःस्ति अधिक विकास स्ट्रिंग । मार्थिस आत् । विक्र क्रम्बन कृति ॥

ख्वाहि कामान्त्रः कविजितः विकारः । शोक वामानः
मूठामः भाद व लोजनः उत्पादकाता मेन विकारः । भोक वामानः
नवाम् दालनः । कन स्वादकात्र । भाव विकार विकार । कामानः
किवरमान्त्राहरू । विविद्ध स्वादकात्रः विकारिकः । कामानः
किवरमान्त्राहरू । भावनात्रः विकार विकार । विका

ভবাহি পান্যে ছাং ই ইছি বিবাৰে। যথৰং কৰতে বিভাগে বিজ্ঞান বিভাগে বিবাহি হৈ । লাগাৰং বাৰতে বিভাগে নি হৈছে। লাগাৰং বাৰতে বিভাগেনি প্ৰথমে বিভাগেনি প্ৰথমে বিভাগেনি হৈছে। নি বিভাগেনি মুক্তা না বিভাগেনি বিভাগেনি মুক্তা না বিভাগেনি বিভাগে

্লি থাকি কান্দেকেং হরিভক্তি, বিশ্বাহর ।। শকালে বাচক স্যাথ জনী চনতা-চকারয়েৎ:বাচফোসভিয়েশ প্রাণ্ধাথমণপঠেছ।।

হারিবাসর দীপিকা। শবীকাশরণ নিত্যভৎ ॥

পুরশ্রণ এতবান সমাধি আচরে 1 ভাগদী জাগর বিনা পাপ নাচি হরে মা

कथाहि कात्मा खर्भ इतिकक्ति विनारित ॥ म भूत्रणतना । भाषाः वुटेजनीय नेमाणिकिः । विनारे प्राचि विशिक्ता विना शामनी कान्नदे ॥

দাগরণ প্রতিত র মতি নাজ আছা জারণ প্রতান সেই অধিকারি নয় তথাহি কান্দোত ২ হরিভক্তি বিলাদে। মতি নঁ যায়কে হস: ছাদশ্যাং জাগরং প্রতি। নহি তথ্যবিকারো নি প্রতা নে কেশ্বসা হি।!

শৃথ জাগরে গীডাদি নিতাত্ব। ।

নুকরৎ গান পাঠ জাগরে না করে। নপ্তজর মুকত্বক পার

দেই নরে।।

क्षणांक कार्याखार व्यविष्ठि विवादन । मूक्तविष्ठ विवादन । मूक्तविष्ठ विवादन । मुक्तविष्ठ व्यविष्ठ विष्ठ विष्ठ विष्ठ व्यविष्ठ विष्ठ व

আগরণকরি যেবানৃত্যন। হিফরে। শপ্তজ্যা নইসন পঞ্জা আচরে।।
ভথাকি পাদ্যেত হরিভক্তি বিলাসে। পঙ্গুত্বং আরভে
ভন্য সপ্তজ্যানি পার্কভী।।

व्यथं जानंत्रन नाश्यार ॥

गद्राकृत्म भागभारम् शिक्षनाम स्वरतः। शिक्षशादम रहे विश्व यखारकं चाहरते।। भागभीएक योग माशिकात भागतः। । करवे मूक्ति श्रीके नाशिका भूगोपनाः।

wife este na Bourest Bisalin faithe i m met

विभावाननी जीवे वहां जिल्हे । गुजना नुकि मात्राहि विभावाननी जीवेडी

मधा उन्ने था कि श्रद्धिक को श्रद्धि। गरम् करम् त निम् रहा प्रहा । कथा कि श्रद्धों करिलामा । गर्मिय हानि यः कृषी। क्राप्तनी

क्रांत्रक्ष शहर शहर निवास कर कर शाया क्रांत्र महार क्र कंत्रिकाशत्रद्ध य विधि कत्रन। इतिछक्ति विवास मृद्धे कतिरह विश्वन । অন্তের বাছলা ভরে প্রমাণ না দিব। যে কিছু কর্ত্তব্য তাহা अर्थकार जिस्ति ॥ धुनर्मान नाजानित्व कदिव नुसन्। सर्व धक्षमान्त्रं वारभाव माहम ॥ देनद्व मा शक्षात्र मिया (जार्भ नाभाइत ! क्रामुल कर्ण ब्रामक औह.क व्यथित। कर्ण ब्रामक के ब्रास्तीत वि कृति । मधि घुड की दामिट सान कड़ारेव ॥ मिरा वख खरा व्याद के विश्वता । कर्म द बारभाव मुक कमाब हत्मन ॥ मृत्रसम मह मत् क्रिया मिनन । जिल्लाम बालाउ किता वित्न भना विकास मा स्वीत मान कर्ता सान क्या देव । खिहरूक अकृत्यम शृंक चार्क शिव भिन्न माम भी जा जात्र मानविद्यांकन। शृजा करछ अहे नर क्षित कार्रेन ।। मामनार मनेन बाल পाफ्रिन खर । मूब्रम्ब (वर् बाद्य कतिरान सर्गी लच्छाकालि न्छानीछ बाह्य चाहतित । মানা আর রম্ভান্ত স্থান সুশোভিব।। একুফাতো নর্ডকাদি গীত हिंदिया इतिह में गूर्य दीन भागामां नि निया। वान्तिकी तीमायन विकास का नार के बिलिन करके में बीताना हित है। करना अविद्या निर्माद (व सन लेडमें) क्या देना ने इक्लान शास रहा। अकी मून रहीं। शाहरेत क्या (यह विवक्तिवर शाहरे क्या इस्टार्व ।

নারিল।। গোদানালি বৈত্রবিধ শানেক আছ্য়। লিখিতে নারিল গ্রন্থ বাছলে।র ভয়।। শার বেরা ফল আতি আছরে বিভার। ভুর নথে) সংক্ষেপ লিখির কিছু শার॥ দাদদী চরিত্র গ্রন্থ করে। ঘরে। কণ্ডর করিয়া ঘেরা মধা পাঠকরে।। চন্তর্মন কল পার কেই ভাগ্যবান। গুর্মা অর্থ কাশ লোক বাহার আখ্যান।।

ख्याहि श्रम्नाम नश्किखाङ दिल्डिक दिल्डिम । शृद्द शि बक्ष क्ष्मा निकार यमा क १ किलिम । बाममी क्रिक्ट भूना । क्ष्मिं क्ष्मिश विकाश क्षमि क्रिक्ट खानजन मार्थाक्षा पिक्ष । बाक्षा है क्षमित्र। देखा । खिन्न क्षमा क्षिमा है क्षमित्र। खिन्न क्षमा क्षमा है क्षमा है क्षमित्र। क्षमा क्षमा है क्षमा

जानिहें बनिरिन् । श्रेडीर के समें किए अंद वी कि नेता । अंदर व शहारक्षितिविष्णावात्र ॥ जणारुज्यापिक शाम स्व स्व स्करन नत्र क्रमणीयहरू मन्त्र थल्टात्र निष्ठत्र ॥ क्षेत्रीर बोद्धार नश्रहाकाक रहिक्कि विवास । वानि कानिक शालीची अवश्वानिकामित । हक काशवरन कानि विमन्द्रशिष्ट विक्या ॥ ৰাৰ্য্য প্ৰকল্প অগাৰ সমূত্ৰ। পদ শিতে নাবি তাহে মঞি অভি कार रहिकेकि विकास अपे इम्र मरफ्छ। वामि मूर्थ वृतिकादत माहिलात्रि उड ॥ ज तमस्य त्वन किङ् वृद्धिमा। देशन । शही द्र श्रव कित्र मध्यक्ष्म निर्मिण ॥ दिक्ष हत्रन दिन् कित्र छ छन । छेर् तान कि कुटा के दिन बर्जन है। नमा छन ला चा गोद विखिया है देन विकास की निका करेड वार्ग (में रेम ॥ करित्र बानव पीशीकाश्राप करित्रक्ति विनामीन क्षार अवापनी धकद्रश छे भवाग किन कुछ। वर्गन वित्र शक्या गर्गहा। द ।। विक्रिकेटकेको देववर ७२ क्रम निका नरवादेशव हाल विक्षिकी नगाणि ने हा धनवेशी ্র হৈতনা কর নিভাবিক। জরাইইত চত্র কর গৌরভক্ত म्भीत मिनेक्का क्रिया मार्ग । स्वत् कृत्र मर्क विम्ना मानाबिक कार्यक्र क विद्या भए व । विनास कवित नक्षित अभूता शास्त्रवान कविकालक्षणक केविया। जनस्त छे नवाम क्षिक्ष । ति विभिन्ना स्ता शामना हित्र । बर्जन

वाजिकर क्रिंग छाकी अवाशा रिक्य न्। शाला शृंकाक निम्माना हत्क छ० मर्कमर्शाव । शाला महिर शृंका केश्याममार्शाव । शायन छठ इन्यां । छ निष्का हिर माद्रव । छ अमार्शन मजः । चळान जिमितामा बाउनातन क्रिंग । श्री प मूम्रवानाश खान हिर्मितामा बाउनातन क्रिंग । श्री प मूम्रवानाश खान हिर्मितामा क्रिंग । श्री मिर्ल क्रिंग ।

ভথাই হরিছক্তি বিলাসে গোশামী কারিকা। নিতাক্তাং সমাপ্যাত্ম শক্তা বিপ্রাংক ভোজমেং। কুর্মাত ভাদশী মধ্যে তলদীং প্রান্যপাবনং।

উপবাস করি যেবা দাদশীর দিনে। গ্রসাদ তুলসী শিশ্র ইরয়ে ভালনে।। কোটিপাপ হৈতে সেহ হয় বিমোচন। পারগ দিনের শারিল বর্ণন।।

कथा हि कारनाक १ इति कि विमान । क्रुणोरे दिवा १ व । नहस्य सावि धापनी नित्य । देनत्व नार जूननी निवार शाश दुरुगोरे विनामन ॥

অথ হরিবাসর কাল পারণ নিবের।।

अवहितागत कालनिक्षणन। गाँउ वनगाँउ करिकाद स्वक्षा केशहिकिक हित्रिक्क विलास । बागरेश्वाकामणी जाल विष्णाक हित्रागत । धकामणा शांपण सामगा। शर्म काहि। हित्रवागत हेगांक क्ष्मण्या समाग्रह्म

विकास । अकासकी मानकी जा कान मन सन है शहर र किया ने

्र शारवीयतः माणिका॥

(भारति के विश्व ।। माइ में छा इत छाउँ ५२० कारते। भूनक्ष्में कति विश्व के मक्षका ॥ प्राप्ती क्षाकरत यि शूर्व याणि पछ। छाइति श्रेश्म मान अक्षमें मछता

ख्याहि विक्थरणां छत्। छ । इति छ । हिनासा । हो प्रणाः अथग शोरमा हित्रामत मण्डकः । उन्हिक्सा कृशीं छ शात्र विक् उपन्याः ॥

াদশীরপ্রথাসপাদকরিয়াবজ্ঞান পোরণকরিব সর্বাবিক্ষবের গথারী তথাহিকাত্যায়ন স্ত্যুক্ত হরিভক্তি বিলাসে । ছাদশী পুরি পাদিয় ভশ্লেরিবাসরঃ। ছাদশ্যাধিকা তভিত্তে

ছাদশী প্রথম পাদ পার্বের দিনে। অধিক থাকরে যদি করিবে মুক্ত মা। ভারমধ্যে কদাচিত পারণ নহিব। আদ্যপার ত্যাগ্করি পারন করিব।

কাৰি ছাদখা যোবাতিকমেৎ। ব্যাদখ্যাত ভূজানঃ শ্রুত্বানি নারকীং।

পারণাহে ছাদশাকে করি অতিকর। ব্যাদশী তিথি মধ্যে যেলন প্রজন্ম ৷৷ শত জন্ম অরক ভুগরে নেই জনে ৷ ইহাতে সংশয় কভ না

ক্ষাৰি কৃষ্ণকং হবিভক্তি বিলাদে । ক্লাৰ ন' ক্লাৰ প্ৰিলি বাসনী ম স্বাহিত্যনাই। শতিকাতা বাসনীত ইতি প্ৰশানীয়াকতং ইতি ।

पा है किया जिल करा आयोगी स्थापना कार्यसाथा भारति स्थापना स्थापन स्थापन स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापन

可有 直接 非强 [1

क्षाहि करियाल क्षित्रक्ति विमान । चन्नात्रामक क्षाक्ष प्रयोग मक्रमान्द्र । सामाक्रम किया कार्या भाव द्यामानि म्यूना । क्षाक भारम्बाख्य रक्षिक्षि विमान ॥ वमाक्ष्यकि ठाल्माकि सामभी भावना निरम । स्वश्र्माक सम्रथ क्ष्यार श्राद्ध मध्याक्षिक र क्ष्या

निष्ठित्र। इत्र ॥ श्रानाकिन किया कार्य) एका आक्रिया अध्याक्तिकाणि किया इत्र ॥ श्रानाकिन किया कार्य) एका आक्रियान । अक्रद्रश्रीय कारमहे कवित ममाधान ॥

कथाह कात्माकः इतिकक्ति विषादमः जनका। नेक्ट्रे शास्त्र भारतः द्वासिना हरस्य कि देन वानिकः देनवाम है स्मित्म विषय वा देखाः

山本山本 教育的ないないないない かいいいかい かい THE SITE TOWNS THINK WHEN THE ! প্রায়ণাঃ ক্রুচ্যভোগ্রেক ভবাত ব্যক্তি হরিভতি अल्बान । ग्रांच्यार मार्जर मुक्क मुख्य मार्जन (कार क्षेत्रका भागमादमानाम रिक्स विश्वाना कर मनद्र विभागार वीमरेन्डानि देव कार्यामधिव वर्ष देव १ कृति । विकारनार्कः इतिम् त्रमुख्याः हत्तकः (काञ्चन्यकः वार्गायय क्षित्रक हो प्रमा मेरे वक्ष सार है है ।। ই। বাংব অ র নুরা পরাম ভোজন। মকুর চনক পিলিক। দ मुक्तानीनार्क वर्गन वात्र का एक का वा व व मा कृति व देश बोबनी क्षेत्रिक ॥ कारनी मों के प्राप्तिक श्राप्तिक श्राप्तिक विकासिक व अवध क्योब रेडण (ভয়াগিত।। প্রবাশ ए ना इंडर्न ना देशियन शामा। विवर्ग मोहम छ।। म माक द्विय कियम ।। या। बहु मन कार्ग । करू मा किया रेम बनामि लोच यह मकन छा। मिन्ना कजूना कदिन एडि विशासक अपूर्व। इसिमीरिंड प्रायित्मां क्रिय क्रिय क्रिक करि ন্ত্ৰিক্তিক আক্রন । শাস্ত্রসক্ষেই সেই করিল স্বৰ্জ ।। লোবিন াদ্ধির বিছ করিব এ এ। কাষণ করেছত গোসাবিধ করিছ क्षा हैं जावि जराकशोठ किक्टि, निर्धित । संस्कृति THE ROLL THE PARTY OF THE PARTY अभावि प्रतिकृति तिलाल आक्षीमी कार्तिक।। क्रांतिक।। क्षावाद्यं है। विकास क्षावित सम्बास में माना समाना क्षितिक रकिया क्षित्रमाना मिन्ना कर्तिका कर्तिका

भागना निकार करने हम्हें क्रानाहकी महा कि शृद्ध देन विधि बहुन है भागना निकार करने हम्हें क्रानाहकी महा क्रिक्ट नव त्यान यन नव्याध निकार क्रानाहकी क्रानाहकी

के कि कि विश्वतागर मिलिकाशः कि विश्वकिक विणामान् नारिकाः कि कि विश्वतागर कि विश्वत

मख्याह यो। खर निषास नागत्रः।।

बार् की किन न अस निकानिका असारेनु के उत्त वस द्वीहरू वृत्त

विषयां विषयां प्रति विषये । विषये विषये । विविधा के विषये ।

क्यारि रहिचिक विनास आद्यामी काहिका नारीका अवस्था वा नामपूर्णामा स्थानभाषिका । विकृत्यका वालका एक समर मिन्द्रिक महिचेकित समार्थ ।

भागमा वा अकामनी मुवना कविक । तृहै किविकास गारेक करेर क कुछ (क्षेत्रके किथि कुछा के हरेर किवक कि । मुक्ता (कार्य केथे कि के काम विभिन्न किथा क्षा कार्य कार्य में स्टूबर किया किथा है। क्रव मुक्तीपुक च्रानखालकाम श

क्षाहि इतिकां विनास मार्क्ससार । नैवर्गम नमा विकास मामनी यकि जकारक । केशना मोमनी क्ये स्ट्री

विशासिक विदे प्राप्तनी हरेंगे। जाहा मुख्य छा मार्थ पहिना। असी प्राप्त के प्र

क्र गर्भा हिन्छ कि विकास धारामी का ब्रिका ।। विकास का नरह खक क्रामनी इहा शहरिन मामने कि मुनना भिण्य इंदर्सित के युक्त करिक क्यांस । कि के अक क्रमान बहन कारक जान

তিনু মথা সুবিভাজি বিলালে গোলামী কারিকা। অসমানে বুঠে পুরে নৈর কুর্যান তামকা। ইত্যানি বচন নাম বান কর্ণ- বিদ্যুতে। অসার্থ বা

विक्र के समाशि नारेक्ट जनायुक्त ना कहिर दे जाएक करन ने पठ रेका कि रहान दशा दांचक ना शहा जात त्य दावाल जाएक छात्रा कर्ष करें ॥

करणारमा मुहर्का विकास कविरकाखात्राक्षा । अकासकीर. कुटलारमा मुहर्का भूम स्मायक । व श्रेष्ट विधियां भूम बकारकी माननी केस्ट्रा करकी का । अस्ट्रां विकास मा केस्र करता बकारकी माननी रचकर किस्र । केस्ट्रा केस्ट्र केस्ट्रा केस्ट्र केस्ट्र केस्ट्रा केस्ट्र केस्ट्

क्रकारि जीवरवाकर एविककि विवास । अने कि बिकि एतम जरेकरेठका पन्नी मिरना छेभवाम बूद्ध सूर्वप्रक मुनना मुल्ली भिरन। अमार्था

্ত হয় করিবারে হয়েত অশক্ত। শুরণাদাদশী দিনে ক্রিরেন বুঁড ১৯৪৪ প্রমনে বুড দুয়কে স্থাপয়। পর্কিনি প্রমানেতে স্ক্রিড ত হয়।। পূর্কবিধি হৈছে পর বিশি বলবান। এইত শাংক্রির নাক্রি আছেরে প্রাণঃ

अप्यथा कहिकांक विकारण नावमीय मुख्यः। खरणायाः मानमीर मुनार विक्षरण न मरयूका धका मर्ग्युव र मुनीर नव शास्त्राका मन्मायः देखि। जनावि ।

मन मुनना युक्त। भूता। विशिष्ट मा । त्य है माननी विश्व युक्त कि नह कराम की काला है के स्वार कराम की कि नह कराम की कि नह कराम की काला कराम कि नह का साथ करा । जा साथ कि निर्मा कर्त कराम के कि का स्वार कराम के कि नह मुनन के कि नह मान कि नह म

रेगाकेकावरेशन मास्त राज्य के किया दिवारी में में शहर है

श्रिक अकाम में जारिय लाय आहि एम । के ल्लारवार्क जिम देशाय करें क्रियम । के लाया जिस्सा कि क्रियम महास्त्रिक महास्त्रिक क्रियम । के ल्ला महास्त्रिक क्रियम । के ल्ला महास्त्रिक क्रियम क्रयम क्रियम क्रयम क्रियम क्रयम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रयम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रियम क्रयम क्रियम क्रयम क्र श्रद्धा विश्व । यम् ।

विश्व स्व मानमी शुक्रा नकता न्वश्व । मुक्कि मन्त्रमानः वेश छ उसे राष्ट्रिना। राष्ट्रेश प्रमाशिकाशा क्रमा श्रीकार । श्रीकार श्वर सभी खेलावा ना रहा। श्रकत्र व वर्त्त श्रीकहर छाष्ट्र गर्थ। क्रमत्र प्रक्रिश मरेड ६ इंकर्ड वर्षा।

े उथात गुराना मामभागः शुक्रका अविरम्गाणतं अविक्रिशः श्री भीरता पामभी अकंत्रन (क कतित्रा। या किन्ने मिथिन जोश स्रोम सन मित्रा।।

তথাকি হরিভ জিবিলাসে। ডিথি নক্ষত্রা বৈশি বাগ কা কৈবনরাধিপ। ডিকলা দলি লড়োত নকেয়েকাই মাধিক। ডিলি নক্ষতের যোগে যেই যোগ হয়। ডিকলা থাকিলে অইযান্নক

ি তথাচ মাৎসেট্রাক্তং ক্রিভক্তি বিলাইন ছোমনী শ্রিন্তি মুক্তা ক্রতনা পুল্যতস্থিতিথি । ন এসা তেন সংস্কৃতি ভাষ েতি,ব প্রশাস্থতে ইতি। অস্যার্থঃ।

्यानी मुन्ता युक्त विशिष्ट मृत्यक्र । मृत्याम स्विमी त्य नक्ति क्रिमा। व्याप्त क्रिक स्वारत्त्र द्यान देश्य द्या। व्याप्त क्रिक स्वारत्त्र द्यान देश्य द्या। व्याप्त क्रिक स्वारत्त्र द्यान द्या द्या क्रिक स्वार्थित क्रिक स्वार्थित व्याप्त स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य

्रव महिमानी को जनाम । माजसब के विकास किया हिसान उपादिसालकी शाकर एडिकड़िल विकास एकमा कर्ण स्थान THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH राक्ष्मा किमारक वाचि भावती सा लामा से व्याचनका सकाव विकास ।। त्यारे बकावमा विरम् केशवास देवन । पात्रनीक विदेश माहीका यथा। देवलक मुक्त-नृहत् कृतिकि हाबादि क्तिर्नि नगरप्रिणार्थः। श्रावादिक महत्वेक कान नवदा में वर्ग। बोनगीय नरक विन न त्याचना ॥ अकाम मा मदम् ए म् वना मुक्त हमें। छहा रमहे बकाम डिशवां कर्त्रा अकामभी वृत्त्व प्रवेषा अर्थत श्रमान **डाशांकिय प्रकृति** श का यथा मात्रवीकाका एतिककि विमारनः। छछत्वा रेसकेन विवाद अञ्चल श्रीकालम् । हिड्डाम्बन कर्डावशाविक मार शक् क्रियंश भग्राम् । इति क विवास विक भूतारभोज्य । धकाक्ष्मी का के अध्यक्ति न ममिका विवस्ता ना किथि (बाक्रा ब्रह्मान क्रिक्स श्रमा है छ। बाना थे। विभाक्त वस्त विव अंकामभी बद्धा (नक्क किथित नश्का विक् रक्षी कर में बाब करते विश्व श्री हान संबद्धिक विश्व के कि विकास अवरेशकाम भी तम बड़ाक तम क्या तम किन वामन हर्वास्त्रमात्रा। क्षेत्रांतमी काथ कति वामनोड क्षेत्रम । गृवि Material III

शहान वाष्ट्रभी विषय अपनि कार्य विषय स्थान स्थान स्थान स्थान वार्य कार्य कार्य

ख्यात्रि मः प्रमाख्य रहिष्ठि विनारम् ॥ विक्रिकी स्वत्वा कृष्टिः कृत्मारककात्रभीक यमा । स अद रेवकार्यः (वाहि विक् भू वन मरिख्युट देवि । स्वनार्थः ॥

खा द्वार भी देश सार स्वती स्वरंगामी । त्या रेड द्वारामी वर्ति गर्मा कराएगी । क्रमान स्वाप देश स

केशिर में। प्रमाणि एति कि विभाग श्रीपार्थ कर्गन कर्गन

(बहुत भारत माजिक इसारक होता

अहे विक्रम् शत्त्व सात्र (म विश्व भारत। शहास विविध्य क् रेक्स्वत्व श्रेणाः शत्र मिन म् वर्गाक अधिक श्रोकत्र स्टब्स् स् मार्था शाद्रव निर्म ।

তথাহি হরিভক্তি বিলাসে গোৰামী কারিকা। ডারেব দ্বাদশা সধ্যে পারণং শ্রুণাধিকে।।

ष्ठित विक्षण्याम्यानम् कृष्टिन कथन । ध्वनमा रेहका स्वत रेवयम

उथाहि कि भरमावित केल इतिकृष्ठि विवारम । धर्मामी वामनी है रिक्टा में शिष्ठः छद्द । उद्दिश्म्यनः नामनिष् वाच्या कछद्द । इच्छित्रशावनामगरक छ्वा क विशेश्वर वाच्या कछद्द । इच्छित्रशावनामगाव शावनः निविष्ठ अवस्था विद्यास्म शावरमध्यो । वाशावरम्य स्वास्माक शावर इच्छित समावित।

क्षित्रको सामभो अध्यक्ष करें जिला । जिला देर तका रहा सन केश क्षित्रका । हालगढ्या पात्रकीत स्ति स्त्रकत्र । त्रहे सिन केश स्त्रेत जिल्ला । वर्षात्रको सिरम कथा करें शादका विक्रीत्र स्त्रोतिक तरे विक्रम । स्वक्रीत सिक्ष्णकालात्र स्वत्रेक रक्षण । भा स्त्रोतिक करें विक्रम । स्वक्रीत सिक्ष्णकालात्र स्वत्रेक रक्षण । भा

Butte ferried and private and private control at the control at th

त्वांग करि मास्त्रि छ देत बर्डिश निक्ष विकास तक करेंचे। निक्ष । शत दिन कामभीरक शातन निर्वत्र ॥ कामभीत कर बनि इस तम् शिरत । कर्त्व बर्धापभी भिरत इस्त शातरत्।। क्वमूमांक व्यालत करेंदेन विवेतर्ग। बक्कायुक कम बात तक कामत्रत्न।। शातर्गत्न विविक्षत विकारत्त्र गर्ग। श्रमानानुमारत स्टब कतिरस निक्षा।

ज्याहि इतिज्ञि विमानानुनातिगः शात्रामी कांत्रिका जम्बृ जियस्वारत्वरं शात्रभारत् छत्वम्यपि । ज्यापिका जित्य वृत्ति कारत नरज्ञत शात्रभः

बाह्मी भ वेश यान मू हे वृष्टि इस । वृष्टि इका शह नित्न त्य किंदी शाक्ष ॥ जाइमारश साममीत यान इस नान । त्य हे जासमी सत्य इस्वेम शाब्द ॥

किस श्रीतकाल विनाम नात्रमीरशाकः। विश्व सम्बद्धी वारम केमदारमाक्षर मयना। शाहनकन कर्वताः सार्वदेक मा मर्गमा । भगाविः।

किथि क्षक (बीरन देवने केशवान क्या । उटकेंद्र ना क्या देशके शास्त्र) ना क्या।

ख्यारि इतिवृद्धिः विवास्य नात्रमे रशाख्यः। सम्मा म्हि हाथिका विथि मेर्थारि शाद्रमः। चाममी मध्यन स्थारमाः संस्थानमाम शाद्रभाषः। चनार्थः।

गोबिटका किथि मत्था रहेद शावन । वह मान रम (नरे शाम भी

চৰতি নাত্ৰথ হোজং হরিভক্তি বিশালৈ । এবং ছয়ো ধনা বাংলী চাহির পারণ শীহিতং ল রাইন্নী পারণং বিলাবিভিত্যনাত্র সময়ত । কথাবি উটবেন্দ্রীকং গৌচ मिनरम भातवर कुर्या। मनाथा भावतर करवृद हैकि।।

द्वीयनी सर्गा मित्रगारर वृक्ति एतः। वृक्तिरका विकासारण वारि विभिन्न ।। निवरम शावन ७१व रेश्व (महे निष्टव । श्वाबिकारम शा न 🎆 क्यां हत्त ।। विक्या तुष्कत्र विधि विस्मय कथन । 🖣 विस्मृत् বোদী বিধি বিবরণ য় থৈছে উপবাস লার বেমতে পারণ। এ: লংকেপেতে করিনুবর্ণন ।৷ হরিভ,ক্ত বিলাস গ্রন্থ নিদ্ধান্ত পোট ৰানা প্ৰকল্প ভাহে কুঠারং।। ভক্তিমান পণ্ডিত সৃবৃদ্ধি যৌ দেইত করিছে পারে মঞ্লোদ্ধাটন। লামি অভিসূধ 🎅রিংচ পারি ৷ উদ্ঘাটন দুরর বহু পেলিবারে নারি ॥ পেটারি विक्रदेशको त्रप्रवन्ति शव । अवन कत्रिष्ठा करत्र केवस ज्यन्।। रेजस्य ষান কোন পণ্ডিত সুদন। তদ্যারাতে করিয়া কিঞিৎ উন্মুট্ महामति क्रश क्षकां मार्गा अक्दर्य। ध रूपमा रेश्स्य वाका रेकन अक् काम्याम् कति चारम् मूयार्व सः एक। यात त्यक्त वर्श **ধ্যু পঞ্চির বেকা ই**থে অত্যক্ষ কইব ৷ ভাৰাগ্রন্থ বলি विक्रिक्तिक । क्रांबाना वर्ने शहिता व्यानिक छ देश । मही বুলু ব্যার করি লৈব।। আগে খেবা কিছু হয় করিব ব ह, इत्या सुन देव करवा है गर्ग ॥

विक्रम् । हिन्द्रिक्षे विक्रम् । नक्षाध्यानम् विक्रम् । निव्यक्ष्मे । नक्षाध्यानम् । निव्यक्षिक्षे । क्षि विद्यक्षिक्षे । क्ष्मिक्षे विक्रम् विक्रम् । क्ष्मिक्षे विक्रम् विक्रम्

🚣 ः चय विदेश गत्रश्री।

্ৰাৰ্শ্যা নিরাহারঃ হিন্দা চৈন পরেহনে। ভোকে এবাস ুঁত শরাণাগত বৎশল ইভি ॥

তে লিখি য়াছি ৰামন অৰ্চন। একাদশী দিনে শুন পূজা

🚁 शाहि भाषामी कात्रिका । श्रकानभाश तसन्। ५ वा **जगा**ठीका । सम्बार वाक स्त्रद श्रष्टर।

कर्मि त्रवना देखि बानमी क्यां किटारमनकपाठिक ্রিয়াং বৃদ্ধায়। মপি ত্রা 🔊 পারণাপেক্ষেতিদিক।

শিশা রজনীতে বামন অচ্চেন্। অথবা দাদশী দিনে করিব, नि ।। बरु पिटन बामभीत यमि हेन्न कन्न । किन्ना शत पिटन्डक् শ্রী অম্পরয়।। অম্পকাল ভাগলীর হিতি যদিহয়। পূজা নাট্ট दिवत काम नाहि तम ॥ अकलर अक्षामनी तारवरछ शुक्रमा बहेक रिन श्वा विधि विवत्न । श्वात शके कि जात वह विध्यत । स ু লিখিতে এছ বিশুর বাচয়।। ধ্য সর লিখিতে ইহা নাহি প্রয়ো ्र भठका ना निभिन भूषा अकरना। त् नव पानि व वार हरे ক্লম। হরিভক্তি বিশাস এছ করিব দর্শন।। এবাসন এক বিশি ক লিখিলঃ স্লের সমত বেই ভাহাই বর্নিলয় অতঃ পুর এছ য়ে সমাপ্তি করিল। বুংছর গোচর যেই সেইত জিমিলা। ভামি ত হৰ্ম মুট নাহিক গেয়ান। তবে যে বৰ্ণিল বৈশ্বাহনা বৰ্মান বিৰু কিলাখা ইবে হইবে প্ৰাৰ্ড। এওক বৈশ্বৰ ক্লপাকুৱায়প্ৰসত

ां बैटड अवर्थ करेन । त्य किए वृश्यत अन्तर किशाहे निधिन ত বিস্তানন্দের তরগা নীক্ষাক্ত গোসাম-র চরশ কর্

क्षित्र व्यक्त विशिष्ट में बिल्क क्षेत्र की की विश्व क्षेत्र की की किंद्य दिना चामि जारे हु शहरका चामिन संगाल

ল ইবৰ্মৰ আদি কৰিল বন্দন। বিভ বেছত এক দশ वर्षेत्र। कार्बेक्शक् विक्रोंकार्शन किवि तियंत्रण ॥ अन्का भागोरे निवित्त । कुछ द्यारक असे महाद्वामनी वर्तन ॥ क्यार्थ (छ नम्भिक्क श्राक्षेत्रेन । छशकान किमक कर्र लायन ।। छान् निर्देश का शतरंबद माराचा । यह मर्श निर्देश पामभी विवस्ता ক্তুরিনথে হরিবানই ফলে বিশ্ব পিল ৷ গোবিন দাদশী তার মহ विभिन्त । भ बना दानभी विभि जिल्लास वर्गन । मखन गूर हारा देकन निकार्यने ॥ किये में भूकी एवं शिका किये क विश्वि छ। हाहे विश्विता अहे मेश्व मन कहि अह श. रिकन वन्त्रहें देशर हे देखें हैं (में कि विमेश क्ष्मणीय क्ष्मों माइ कि। अद्ये दे विद्या सन मा रहेन काल।। अत्य त्यन नाहि क किशा । क्यांका नार्धन रेवाछ व मा मन थात्र ॥ रेडाए द्या विकासिकामा । अध्यत्र वर्गन स्वात्र इक्षा शाम का ক বোল। বিভিন্ন বৈশ্বর করণ। কুপাকরি কর মের অপরাধ मा के मनोकेम् स्वीयाभे व कि जिल्ला क्रिन । रहितामत्र मी शिक

केल किश्वितायस योशिकासार किश्वित्वाक विभागाने मासिनार क्षेत्रामसी क्षण्यात करना वामणी कर सिन्धि विश्लाद समेनर किश्वित अस्त्री क्षित्र विवेत्रणर नाम-

नवार्षणाहर के दिवानक मीनिका अदश्र

THE PARTY WAS NOT THE PARTY OF THE